"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव.

५ प्रयोजनमूलक हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष कला [जुन १९९४ पासून]

१. प्रस्तावना- प्रयोजनमूलक हिन्दी स्वरूप एवं उद्देश्य.
२. मानक हिन्दी वर्तनी
   [क] मानक लिपी - केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा स्वीकृत वर्णमाला का परीचय स्वर, व्यंजन, मात्राएँ, अनुस्वार, विसर्ग, चन्द्रबिन्दु, संयुक्त वर्ण, हलचिन्ह विदेशीध्वनियो के लिपि चिन्ह-नुक्ता और ऑ]
   [ख] शब्दों को जोडकर या अलग-अलग लिखेने का नियम - सामासिक शब्द, परसर्ग, पूर्वकालीक क्रियाएँ, क्रियापद और और सहायक क्रियाएँ।
   [ग] य-व श्रुतियों का प्रयोग
   [घ] विराम चिन्ह - पूर्ण विराम, अल्पविराम, अर्धविराम, प्रश्नचिन्ह, ... विस्मयादिबोधक चिन्ह, अवतरण, कोष्टक लोपचिन्ह, मे संक्षिपचिन्ह, [दिए हुए वाक्यो में विराम चिन्हों का प्रयोग करना।]
   [च] अंकलेखन- देवनागरी अंक, भारतीय अंकों का अन्तरराष्ट्रीय रूप, संख्यालेखन - संख्योओं का अंको और शब्दों मे लेखन, गणितीय चिन्हों का परिचय - धन [+], ऋण [-], गुणा [x], भाग [÷] बराबर [=], सहीबटे [अ -ब ÷ क], ... दशमलव [.], वर्गमूल[—], प्रतिशत [%], अनुपात [:], कोष्टक [{ }], चूंकी [∵] इसलोए [∴], वर्ग [अ२], घन [अ३] , पहाडे की शब्दावली वेगमूल[√]
   [छ] शिरोरेखा
३. प्रायोगिक व्याकरण, लिंग, वचन, कारक, पर आधारीत अशुध्द वाक्यों काशुध्दीकरण
४. पत्र लेखन- पत्रलेखन का स्वरूप एवं सामान्य परीचय पत्रों के प्रकार निमंत्रण पत्र, अभिनंदन-शुभकामना पत्र, शोक पत्र, समवेदना पत्र, आवेदन पत्र, शिकायत एवं सुझाव पत्र,
५. संक्षेपण- स्वरूप एवं तत्व दिए हुए गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सारांश लिखना।
६. निबन्ध लेखन - वर्णनात्मक, बआत्मकथात्मक, कल्पनात्मक, ललित निबन्ध
७. अनुवाद- मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिन्दी मे अनुवाद।
८. विविध प्रपत्र [फार्म] भरना- रेल आरक्षण, मनीऑर्डर, तार, बैंक मे रुपया जमा करनेा और निकालनेके फार्म, बैंको का माँग पत्र [डिमांड ड्राफ्ट] तथा चलन आदि भरना।
९. अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांशो का हिन्दी अनुवाद एवं वाक्यो में प्रयोग [१५० पारिभाषिक शब्द एवं ५० वाक्यांश शब्द सुची संलग्न है]

" अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत "

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव.

अभ्यासक्रम जून १९९५ पासून
द्वितीय वर्ष कला
प्रयोजन मूलक हिन्दी पाठ्यक्रम

१] व्याकरण
वाक्य- रचना-
१] वाक्यों के प्रकार रचना और अर्थ की दृष्टी से
२] वाक्य परिवर्तन - [दी गयी सूचनाओं के अनुसार]
३] वाक्य विश्लेषण- उपवाक्यों का परिचय
४] वाच्य और वाच्य परिवर्तन
५] काल परिवर्तन [दी गयी सूचना ओं के अनुसार]

२] शब्द - निर्माण
उपसर्ग - तत्सम, तद्भव, विदेशी
प्रत्यय- १. तत्सम, तद्भव विदेशी, देशज कृदन्त और तद्धित शब्द
२. समास
३. संधि

३] शब्द- रूप
१] समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द [शब्द-युग्म]
२] अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
३] पर्यायवाची शब्द
४] अनेकार्थक शब्द
५] विलोम शब्द

४] भाषा प्रौद्योगिकी [लेखन एवं संदेश प्रेषण से सम्बध्द वैज्ञानिक उपकरण]
१] टंकण यंत्र [प्रकार एवं परिचय]
२] टेलिप्रिंटर एवं टेलेक्स की कार्यप्रणाली
३] संगणक की कार्य प्रणाली

५] कार्यालयीन व्यवहार
१] प्रारूपण
२] टिप्पण कार्यालयीन ज्ञापन, परिपत्र
३] कार्यालय आदेश
४] अधिसूचना, प्रसविज्ञप्तियाँ, तार[मितव्यय प्राप्य]

६] साक्षात्कार:- लेखक , संपादक, पत्रकार, सामाजिक एवं कार्यकर्ता

७] कार्यालयीन अनुवाद - कार्यालयीन अंग्रेजी वाक्यों का अनुवाद [सूची संलग्न है]

८] रिपोर्ट लेखन- समाचार पत्र और संचार माध्यमों के लिए स्नेहसंमेलन, समारोह संगोष्टी , परिसंवाद आदी पर रिपोर्ट लिखना

९] पल्लवन [कल्पना विस्तार]

१०] अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांशोंका हिन्दी अनुवाद एवं वाक्यों में प्रयोग [१७० पारिभाषिक शब्द एवं २८ वाक्यांश [शब्द संलग्न है]